डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 254 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 30 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म. प्र.) 07422-490333

त्यौहारों का महीना रहेगा जुलाई, गुरु पूर्णिमा के साथ शुरु होगा सावन माह

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जून माह के समापन की ओर बढ़ते कदम के साथ ही बारिश और तीज-त्यौहारों का मौसम भी शुरु हो गया है। आषाढ माह अब अंतिम पड़ाव पर है, वहीं सावन के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जुलाई माह में एक ओर जहां सुहागिन महिलाएं मंगला गौरी का पूजन कर अटल सुहाग की कामना करेंगी तो वहीं भगवान भोले नाथ को प्रसन्न करने का जतन करेंगे। इसी दौरान हरियाली तीज, गुरु पूर्णिमा, देवशयनी एकादशी आदि महत्वपूर्ण व्रत व त्योहार भी आएंगे।

इस बार सावन भी होगा विशेष...

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार जुलाई माह में व्रत त्योहारों की झड़ी लगी रहेगी। जो देवउठनी एकादशी तक जारी रहेगी। खास बात यह है कि जुलाई में शिव जी का प्रिय महीना श्रावण भी आ रहा है, जिसका शिव भक्तों को बेसब्री से इंतजार रहता है। इस साल 11 जुलाई से सावन की शुरुआत हो रही है, जो रक्षाबंधन 09 अगस्त के दिन तक रहेगा। बेवजह के टोने टोटकों की अपेक्षा शास्त्र सम्मत पूजन से महादेव को प्रसन्न करना श्रेयस्कर रहेगा। इन सभी तीज त्योहारों में विधि विधान से किया गया व्रत पूजन समस्त जातकों के लिए मंगलफलदायी रहेगा।

जुलाई माह के व्रत त्योहार...

3 जुलाई 2025	-	दुर्गा मासिक अष्टमी
6 जुलाई 2025	-	देवशयनी एकादशी
8 जुलाई 2025	-	भौम प्रदोष व्रत
10 जुलाई 2025	-	कोकिला व्रत, गुरु पूर्णिमा व्रत, आषाढ पूर्णिमा
11 जुलाई 2025	-	सावन माह शुरू
14 जुलाई 2025	-	पहला सावन सोमवार, गजानन संकष्टी चतुर्थी
15 जुलाई 2025	-	पहला मंगला गौरी व्रत
16 जुलाई 2025	-	कर्क संक्रांति
21 जुलाई 2025	-	दूसरा सावन सोमवार, कामिक एकादशी
22 जुलाई 2025	-	सावन प्रदोष व्रत
23 जुलाई 2025	-	सावन शिवरात्रि
24 जुलाई 2025	-	हरियाली अमावस्या, सावन अमावस्या, गुरु पुष्य योग
27 जुलाई 2025	-	हरियाली तीज
28 जुलाई 2025	-	सावन तीसरा सोमवार, विनायक चतुर्थी
29 जुलाई 2025	-	नाग पंचमी, तीसरा मंगला गौरी व्रत
30 जुलाई 2025	-	कल्कि जयंती
31 जुलाई 2025	-	तुलसीदास जयंती

पुलिस की सख्ती बनाम तस्करी के जुगाड़

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। एक तरफ मादक पदार्थ और तस्करों के विरूद्ध पुलिस का तगड़ा अभियान चल रहा है। इधर तस्कर भी नई-नई स्कीम लगाकर पुलिस से बचने के रास्ते अपना रहे हैं। इस बीच यह बात भी सामने आ रही है कि तस्करों द्वारा 'नॉन कमर्शियल क्वांटिटी' में डोडाचूरा व अफीम की तस्करी की जा रही है। इसका खुलासा स्वयं तस्करों ने पुलिस पूछताछ में किया है। बीते 08 माह की बात करें तो पुलिस ने 10 हजार 887 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया गया।

क्या है 'नॉन कमर्शियल क्वांटिटी'...

'नॉन कमर्शियल क्वांटिटी' का आशय यह है कि इतनी मात्रा में मादक पदार्थ का परिवहन किया जाए जिससे सीधे सीधे तस्करी के आरोप न लगें। नॉन कमर्शियल क्वांटिटी की मात्रा भी निर्धारित की गई है। 50 किलोग्राम से कम मात्रा में यदि डोडाचूरा परिवहन किया जाता है तो यह नॉन कमर्शियल क्वांटिटी कहलाती है। इसी प्रकार 2.5 किलोग्राम से कम मात्रा में अफीम परिवहन करना भी नॉन कमर्शियल क्वांटिटी की श्रेणी में आता है। एसे मामलो में आरोपी को एक-डेढ़ महीने में ही जमानत मिल जाती है। नॉन कमर्शियल क्वांटिटी में मादक पदार्थ जब्ती के बाद आरोपी कोर्ट में अपने बचाव में कई तरह के तर्क भी रखकर बचने के रास्ते खोज सकता है। दूसरी ओर कमर्शियल क्वांटिटी में मादक पदार्थ जब्ती में इस तरह के बचने के सारे रास्ते स्वत: बंद हो जाते हैं।

*** नॉन कमर्शियल क्वांटिटी में डोडाचूरा की तस्करी * मादक पदार्थो की सप्लाय में हो रहा छोटे वाहनों का उपयोग**

टेंकर में भरकर ले जा रहे थे डोडाचूरा...

पुलिस की सख्ती का असर यह हो रहा है कि तस्कर भी 'पुष्पा' फिल्म से प्रेरित होकर मादक पदार्थ तस्करी में नए तरीके आजमाने लगे हैं। इसी माह गरोठ पुलिस ने कार्रवाई की। जिसमें गरोठ पुलिस ने पानी के टेंकर के आगे स्कीम बनाकर रख रखे दो क्विंटल 07 किलो 500 ग्राम डोडाचूरा जब्त किया और तस्कर को गिरफ्तार किया है। टेंकर को चेक करने पर टेंकर में दो पार्ट बने मिले, जिनमें से एक पार्ट में स्कीम बनाकर 10 प्लास्टिक के कट्टें में डोडाचूरा भरा हुआ था। जबकि दूसरा पार्ट खाली था। इसी तरह से कभी उपज तो कभी फलों के बीच छिपाकर मादक पदार्थो की तस्करी के मामले भी सामने आए है। पुलिस जितनी सख्ती बरत रही है, तस्कर भी उससे बचने के लिए नए-नए तरीके तलाश रहे हैं। इसका खुलासा तस्करों से पूछताछ में ही हो रहा है।

छोटे वाहनों का हो रहा उपयोग...

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी एवं नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चला रखा है। सख्ती से कार्रवाई के निर्देश प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों को दिए हैं। इसके पालन में वाहनों की सघन जांच की जा रही है। संदिग्ध कमर्शियल वाहनों की सतत जांच हो रही है। पुलिस की पकड़ से बचने के लिए तस्करों ने अब छोटे वाहनों से तस्करी करने का नया रास्ता तलाशा है। केरी बैग, मोटर साइकिल, ऑटो के माध्यम से तस्करी इत्यादि तरीके आजमाए जा रहे हैं। इन तरीकों का खुलासा पुलिस कार्रवाई के दौरान हुआ है। छोटे वाहनों से जंगल के रास्तों पर चलना भी सुरक्षित रहता है। पुलिस की जांच से भी बच जाते हैं। पकड़ में आते हैं तो 'नॉन कमर्शियल क्वांटिटी' मिलने से बचाव रास्ते भी खुले रहते हैं।

पुलिस ने की अच्छी कार्रवाई...

01 सितंबर 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक के आंकड़ों की बात करें तो पुलिस ने बीते 08 माह में तस्करी के खेल पर अच्छी कार्रवाई की है। पुलिस ने करीब 06 करोड़ 29 लाख 20 हजार रुपए कीमत के नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। जिसमें डोडाचूरा, स्मैक/ब्राउन शुगर, अफीम, एमडी, गांजा जैसे सिंथेटिक और प्राकृतिक ड्रग्स शामिल हैं। 63 मामलों में 149 आरोपियों से 10 हजार 887 किलो डोडाचूरा बरामद किया, जिसकी कीमत 2 करोड़ 17 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार 13 अलग-अलग मामलों में 26 तस्करों से 21.67 किलो अफीम जब्त की गई, जिसकी कीमत 32 लाख 50 हजार रुपए है। 06 मामलों में 36 आरोपियों से 02.36 किलो स्मैक और ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इसकी कीमत 02 करोड़ 36 लाख रुपए बताई जा रही है। एक मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी से 140 किलो गांजा पकड़ा, जिसकी कीमत 14 लाख रुपए है। 20 मामलों में 60 आरोपियों से 4.28 किलो एमडीएमए बरामद किया, इसकी कीमत 1 करोड़ 28 लाख रुपए है। एक अन्य मामले में पुलिस ने 74.98 किलो एसेटिक एनहाइड्रेट भी जब्त किया, जिसकी कीमत 38 हजार रुपए बताई गई है।

अब तक पिछले साल से दुगनी बारिश

सुबह झमाझम, दिनभर छाए रहे बादल

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। रविवार सुबह झमाझम बारिश हुई। सुबह से ही बादलों का डेरा आसमान पर जमा रहा। इसके बाद सुबह करीब 09.30 बजे से मंदसौर सहित समूचे अंचल में कभी तेज तो कभी झमाझम बारिश का दौर चलता रहा। बाद में भी आसमान पर बादल डेरा डाले दिनभर जमे रहें। मौसम विभाग के अनुसार पिछले साल के जून की तुलना में दुगनी बारिश अभी तक दर्ज की जा चुकी है।

जून माह की सामान्य बारिश की बात करें तो 99.9 मिमी है। जिसके मुकाबले इस बार लगभग 160 मिमी औसत बारिश जिले में दर्ज हो चुकी है। वहीं पिछले साल जून तक सिर्फ 82.6 मिमी ही बारिश हो पाई थी। सबसे ज्यादा बारिश भानपुरा में दर्ज की गई है। इधर मप्र की बात करें तो पूरे मध्यप्रदेश में रविवार को भी बारिश जारी रही। भोपाल, नर्मदापुरम, रतलाम, धार और रायसेन में सुबह से रुक-रुककर बारिश जारी रही। ग्वालियर, चंबल, रीवा और शहडोल संभाग के 11 जिलों में आज सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे के दौरान 4.5 इंच तक पानी गिर सकता है। 01 जुलाई से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। इससे प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में अति भारी या भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश होगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है।

धार्मिक आयोजन में विवाद का मामला...

दोनों समुदायों को आयोजन के लिये अलग-अलग जगह दी, 13 लोगों से भरवाया बांड

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर की एकता कॉलोनी में शनिवार शाम धार्मिक आयोजन को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद हुआ। पुलिया के पास एक समुदाय की ओर से धार्मिक कार्यक्रम की तैयारी की जा रही थी। दूसरे समुदाय ने इस स्थान पर अपने धार्मिक कार्यक्रम का हवाला देते हुए आपत्ति जताई। सूचना मिलते ही एसडीएम संजय साहू, तहसीलदार संजय मालवीय और सीएसपी किरण चौहान मौके पर पहुंचे। टीआई निलेश अवस्थी और पुष्पा चौहान के नेतृत्व में तीन थानों का पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासन ने विवादित स्थल से भीड़ को हटाया।

तीन घंटे चली बैठक के बाद निर्णय...

बघाना थाने में दोनों पक्षों के 5-6 प्रतिनिधियों के साथ तीन घंटे तक चली बैठक में समाधानकारक निर्णय किया गया। प्रशासन ने विवादित स्थल पर किसी भी तरह का आयोजन न करने का निर्णय लिया। एक समुदाय को उनके धार्मिक स्थल पर और दूसरे को एकता कॉलोनी की पुलिया के पार डीपी के पास जगह आवंटित की गई। एसडीएम संजीव साहू ने बताया कि स्थिति को देखते हुए दोनों पक्षों के 13 लोगों से बांड भरवाया गया। रात करीब 10 बजे दोनों पक्षों की सहमति से मामला शांतिपूर्वक सुलझ गया।

नाहरगढ़ थाने के कारिंदो पर फिर उठे सवाल...

भाजपा राज में क्या सब जायज है..?

सरकार की छवि की जा रही धूमिल, सख्त कार्यवाही की जरूरत

राजू सोनी

नाहरगढ़, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के इमानदार पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद से ग्रामीण क्षेत्र की जनता को कोई शिकायत नहीं है। ना उनकी उज्जवल कार्य प्रणाली को लेकर कोई संदेह हैं। किंतु नाहरगढ़थाने के होनहार आरक्षक जो कबूतर की भांति अपनी चोच में तिनका-तिनका जोड़कर घोसला बनाने के फिराक में लगे रहते है। पूरे थाने की चार चांडाल चौकड़ी अपने कर्तव्यों पर लगी हैं। कहते है ना ऊ पर वाले के यहां देर हैं, अंधेर नहीं..? सत्य हमेशा सत्य ही रहता है।

नाहरगढ़ थाना पुलिस द्वारा विगत दिनो तीन किलो अफीम पकड़ी गई। उसमें आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अब उसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में यह है कि उक्त व्यक्ति इतने बडे पैमाने पर धंधा कर

ही नहीं सकता..? आरोपी व्यक्ति को किसने अपनी मोह माया के जाल में फंसाने कोशिश की, उक्त व्यक्ति जो आरोपी है, वह नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव कराड़िया पिपलिया का है। इस पूरे संबंध में गांव वालों का कहना है कि हम सामुहिक रूप से उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा से मांग कर इसकी संपूर्णता जांच करवाएंगे। थाने के जो आरक्षकों की चौकड़ी चल रही है। वह भंवर जाल की तरह है। दिनभर इनका एक ही टारगेट रहता है। किसको निशाना बनाना है। जल्द करोड़पति बनने के चक्कर में क्या यह अपनी मानवता भी भूल चुके हैं। यदि नहीं तो फिर उच्च अधिकारियों को जनता के सामने पूरी सच्चाई संपूर्ण तरीके से रखना चाहिए। क्योंकि हर गांव की चौपाल पर एक ही चर्चा है कि जो आरोपी बना है, वह इतना बड़े पैमाने पर धंधा कर ही नहीं सकता। उसको किसने फंसाया या थाने की चांडाल चौकड़ी के बुने जाल में खुद फस गया। स्वयं मंदसौर के पुलिस कप्तान तथा रतलाम के डीआईजी, उक्त व्यक्ति से बिना दबाव में पूछताछ करें तो पूरे मामले की हकीकत क्या है, सामने आ जाएगा और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच भी होना चाहिए।

अधूरा हुआ शुद्धिकरण... आरक्षक तथा बीट प्रभारी यहीं जमे हुए...

प्रदेश की श्री मोहन सरकार तथा पुलिस व्यवस्था को संभाले मध्यप्रदेश डीजीपी एवं मंदसौर जिले के पुलिस कप्तान लगातार पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर और चिंतित भी है। किंतु उनके नाहरगढ़ थाने में पदस्थ चार पुलिस जवानो की चौकड़ी सहित कुछ एक बीट प्रभारी अपने आप को किसी मंत्री तथा विधायक का खास बताने वाले है, जो बे लगाम होते जा रहे हैं। यदि पुलिस कप्तान पूरे बीट प्रभारी क्षेत्र अपने गुप्तचर छोड़कर इनकी जांच पड़ताल करेंगे तो धरातल की ओरिजनल स्थिति शुद्धिकरण में तब्दील होगी। ग्रामीण क्षेत्र की जनता नाहरगढ़ थाने के चार चौकड़ी वाले आरक्षकों के साथ क्षेत्रीय बीट प्रभारी की कार्यप्रणाली से पुरी तरह असंतुष्ट है। यदि जनता आने वाले दिनों में या तो उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा तथा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग से मौखिक रूप से शिकायत कर इनको हटाने की मांग करेंगे। अब आगे देखना है कि इस पूरे मामले में पुलिस कप्तान अपनी पूरी रूपरेखा क्या तैयार करते है..?

जिनका अफीम के अवैध धंधे से कोई लेना देना नहीं, ऐसे व्यक्तियों के नाम डालने की धमकी क्यों..?

जो घटनाक्रम हुआ है, उसमें अन्य व्यक्तियो का कोई लेना या देना नहीं है। लेकिन, सूत्रो की माने तो फोन लगाकर दलालों के माध्यम से धमकियां दी जा रही हैं। कई लोगो से पैसो की मांग की जा रही है। नाहरगढ़ थाने से किस व्यक्ति दलाल के माध्यम से मोटी रकम मांगी गई, नहीं देने पर जो वर्तमान तीन किलो अफीम पकड़ाई, उसमें नाम डालने का दबाव उक्त व्यक्ति द्वारा बनाया जारहा हैं। पुलिस कप्तान को चाहिये कि अपनी नीर क्षीर कार्यशैली से मामले की तह तक पहुंचकर संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें।

पूर्व विधायक द्वारा टोल कर्मियों को पीटने का वीडियो वायरल..!

*** जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ टोल पर कर्मचारियों ने की अभद्रता? * कांग्रेस ने साधा निशाना : महिला जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा का दावा कहां गया**

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ विधानसभा के पूर्व विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार के ससुर राधेश्याम पाटीदार द्वारा सीतामऊ-सुवासरा रोड स्थित खेरखेड़ा टोल पर मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा टोल पर टोलकर्मियों द्वारा अभद्रता का आरोप लगाया गया है। जिसकी शिकायत उनके द्वारा पुलिस कप्तान से की गई है। इसी को लेकर राधेश्याम पाटीदार टोल गार्ड सहित अन्य लोगों के साथ टोल पर पहुंचे। इसके बाद वहां टोलकर्मी के साथ मारपीट की। जिसका सीसीटीवी फूटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इधर कांग्रेस ने मामले में भाजपा पर निशाना साधा है। इंडियन नेशनल कांग्रेस मप्र ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि भाजपा राज में महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकार तो दूर उनकी सुरक्षा ही सवालो घेरे में है। विधायक प्रियंका पेंची द्वारा मुख्यमंत्री को एसपी की शिकायत के बाद अब मंदसौर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा पाटीदार ने टोल पर अपने साथ अभद्रता का आरोप लगाया है। महिला जनप्रतिनिधियों की इस बेबसी से मप्र में महिलाओं की सुरक्षा के हालात समझे जा सकते है।

जिपं अध्यक्ष ने पुलिस कप्तान को लिखा पत्र...

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा पाटीदार ने पुलिस कप्तान को शिकायत में जो बातें लिखीं, वो हैरान करने वाली हैं। उन्होंने अपने पत्र में बताया कि '22 जून की शाम जब वे मंदसौर से अपने गांव गुराड़िया प्रताप लौट रही थी, तभी सीतामऊ-सुवासरा रोड स्थित खेरखेड़ा टोल पर टोलकर्मियों ने उनकी गाड़ी को जानबूझकर रोका। शिकायत के मुताबिक टोल मैनेजर केतन उपाध्याय समेत अन्य कर्मचारियों ने पहले उनकी गाडी को 5 से 8 मिनट तक रोके रखा और जब ड्राइवर ने वजह पूछी तो उनके साथ अभद्र भाषा में बात की गई।

गाड़ी की खिड़की खोलते ही शुरू हुई गंदी हरकते...

पत्र में श्रीमती पाटीदार ने लिखा कि जब ड्राइवर ने पीछे की खिड़की नीचे की, जहां वे खुद बैठी थी। तब टोलकर्मी उनके सामने लगातार अशोभनीय इशारे और भाषा का प्रयोग करने लगे। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान टोल मैनेजर भी मौजूद था। लेकिन, किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- जिपं अध्यक्ष

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पाटीदार ने अपने शिकायती पत्र में लिखा है कि यह केवल उनके साथ नहीं, बल्कि हर उस महिला प्रतिनिधि के साथ हो सकता है जो सार्वजनिक जीवन में सक्रिय है। उन्होंने पुलिस कप्तान से मांग की है कि संबंधित टोलकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई महिला अपमानित न हो।

ट्रैक्टर चालक और टोलकर्मी के बीच हुई थी बहस...

विवाद की शुरुआत 22 जून को ही टोल से ट्रैक्टर निकालने की बात से हुई। पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार का ट्रैक्टर टोल से गुजर रहा था। इस दौरान टोल कर्मचारियों ने टोल मांगा तो ड्राइवर ने खेती का सामान होने का हवाला देकर टोल देने से मना किया और राधेश्याम पाटीदार से बात करने को कहा। हालांकि कुछ देर बहस के बाद ट्रैक्टर वहां से रवाना हो गया। इसी के थोड़ी देर बाद जिला पंचायत अध्यक्ष श्री. दुर्गा पाटीदार मंदसौर से अपने निवास गुराड़िया विजय जा रही थी। एसपी को दी शिकायत में उन्होंने टोल कर्मचारियों पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल और अश्लील इशारे करने का आरोप लगाया। इस मामले में टोल प्लाजा मैनेजर केतन उपाध्याय ने कहा कि अभी हम मीडिया से बात करने की हालत में नही हैं, जो घटना हुई वो सबके सामने हैं।

पाटीदार बोले- ये मारपीट नहीं समझाइश थी...

पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार ने कहा कि इसे मारपीट नहीं समझाइश कह सकते हैं। 22 तारीख को जब बहू लौटकर आ रही थी, तब इन्होंने बहू के साथ बदतमीजी की। ऐसी एक नहीं सैकड़ो घटनाएं पता चली हैं। मुझे ऐसा लगता है कि यह स्वभाव से ही बदतमीज है। मेरी बहू नहीं बल्कि और कोई महिला भी होती तो मैं यही करता।

नाबालिग लड़की को भगाने के आरोपी को पकड़ा

कोटा में मिली युवती, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कैलाशपुर से लापता हुई नाबालिग लड़की को भानपुरा पुलिस ने राजस्थान के कोटा से बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी ईश्वर उर्फ कालू उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। घटना 24 जून की है, जब कैलाशपुर निवासी एक पिता ने अपनी नाबालिग बेटी रूची (बदला हुआ नाम) के घर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। 28 जून को पुलिस को सूचना मिली कि लड़की कोटा के सातलखेड़ी गांव में है।

भानपुरा थाना प्रभारी आरसी दांगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर टीम को रवाना किया। पुलिस ने लोटखेड़ी निवासी आरोपी ईश्वर के कब्जे से अपहृत लड़की को बरामद किया। भानपुरा टीआई श्री दांगी ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने लड़की को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

विचार-मंथन

एससीओ की बैठक में गूंजा दोहरापन...

आतंकवाद के मसले पर समूची दुनिया में एक राय देखी जाती है कि जब तक इसके खिलाफ संयुक्त मोर्चा नहीं खोला जाएगा, इस पर पूरी तरह काबू पाना संभव नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात की अपेक्षा और मांग की जाती है कि किसी भी देश या समूह को इस मामले में दोहरा रवैया नहीं अपनाना चाहिए। मगर आतंकवाद की समस्या से उपजी फिक्र तब बेमानी हो जाती है जब क्षेत्रीय सहयोग के लिए गठित देशों के किसी समूह में आतंक का सामना करने को लेकर दोहरे पैमाने अपनाए जाते हैं। गौरतलब है कि चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के सम्मेलन में जो साझा बयान तैयार किया गया, उसमें बलूचिस्तान का उल्लेख तो किया गया, लेकिन पहलगाम का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले और उसकी प्रकृति को सभी देश आतंकवाद का एक क्रूर चेहरा ही मानते हैं और उसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते रहते हैं। लेकिन विचित्र है कि एससीओ की बैठक में आतंकवाद से लड़ाई के संदर्भ में पहलगाम हमले को दर्ज करना जरूरी नहीं समझा गया। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस बैठक में तैयार संयुक्त बयान पर भारत ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और साफतौर पर कहा कि यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख को नहीं दिखाता। इसके बाद यह सम्मेलन बिना संयुक्त बयान जारी किए ही समाप्त हो गया। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि भारत में आतंकवाद की समस्या को जटिल बनाने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस तथ्य को दुनिया के ज्यादातर देश भली-भांति जानते हैं। खुद चीन के बेजिंग में कुछ वर्ष पहले

हुए ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के घोषणापत्र में इस तथ्य को शामिल किया गया था कि कई बड़े आतंकवादी संगठन पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। फिर पहलगाम में पर्यटकों पर बर्बर हमलों में भी पाकिस्तान से आए आतंकियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। इसके बावजूद एससीओ सम्मेलन के संयुक्त बयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं किया जाना क्या दर्शाता है? सवाल है कि इस सम्मेलन में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं, तो भारत में आतंकवाद पर उनके दोहरे पैमाने दुनिया के सामने इसके खिलाफ लड़ाई का कैसा रास्ता तैयार करेंगे। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान आतंकवाद को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शह देने की अघोषित नीति पर काम करता है और अपनी सीमा में आतंकवादियों को पनाह देता रहा है! भारत में घुसपैठ से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और आतंकी हमलों का सिरा कहां से जुड़ा होता है, यह छिपा नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद चीन आमतौर पर पाकिस्तान के हक में खड़ा दिखता रहा है। एससीओ की बैठक के संयुक्त बयान में भी पहलगाम को शामिल न कर बलूचिस्तान का जिक्र करने की कोशिश क्या चीन का पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन नहीं है? आतंकवाद पर ऐसे दोहरे पैमाने के साथ इसके खिलाफ किस तरह की लड़ाई का दावा किया जा सकता है? इस संदर्भ में भारत ने उचित ही एससीओ के देशों, खासतौर पर चीन और पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद के मुद्दे पर वह किसी के सामने झुकने वाला नहीं है।

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया

भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियां, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है। अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं। समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे है वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई है वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था। इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। यदि कोई कथावाचक अपनी जाति व धर्म को छुपाकर यह कृत्य करता है तो चिंता की बात है। कोई कथा कहना चाहता है तो उसे अपना सही नाम बताने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए । नाम छुपाने के साथ साथ एक से अधिक आधार कार्ड रखना एक आपराधिक कृत्य है कोई कथावाचक ऐसा क्यों करेगा? इस पूरी घटना में सपा की प्रतिक्रिया से लगता है कि संभव है कि इटावा की घटना सुनियोजित षड्यंत्र के अंतर्गत करवाई गई हो और एक समय बसपा का नारा रहे +तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार+ को अब सपा ने अपना लिया है। सपा ने पीडीए का दिल जीतने के लिए ब्राह्मण समाज का अपमान किया है। इस बीच सपा ने राज्यसभा चुनावों के दौरान क्रास वोटिंग करने वाले तीन विधायकों ऊंचाहार से मनोज कुमार पांडेय, गोसाईगंज से अभय सिंह और गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। सपा की ओर से एक्स पर लिख गया कि सांप्रदायिक व पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को निकाला गया है। वहीं इन विधायकों का कहना है कि भगवान राम और रामचरित मानस के अपमान का विरोध करने के कारण इन सभी को निष्कासित किया गया है। विधायक मनोज पांडेय ने कहा कि मैंने सपा नेताओं द्वारा हिंदू देवी-देवताओं को गाली दिए जाने तथा रामायण की प्रतियां जलाने का विरोध किया था। विधायक मनोज पांडेय अयोध्या में रामलला के दर्शन भी कर आये हैं। सभी विधायकों ने कहा कि सपा में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जाता है। समाजवादी पार्टी ने अब लोहिया की विचारधारा को त्याग चुकी है। अखिलेश यादव आजकल कोई भी विषय हो पीडीए को बीच में घसीट लाते हैं।

पहाड़ों पर एक से ज्यादा पैदल मार्ग तैयार रखना चाहिए

खराब मौसम, भूस्खलन और दुर्घटनाओं की वजह से केदारनाथ पैदल मार्ग को बार-बार रोकना पड़ रहा है। अभी 15 जून को ही जंगलचट्टी के पास मार्ग पर भारी पत्थर गिरने से पैदल यात्रा रोक दी गई। इस बार 2 मई को यात्रा के पहले ही दिन हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। बार-बार यह जरूरत महसूस हो रही है कि भीड़भाड़ व दुर्घटनाओं से बचने के लिए केदारनाथ पुरी को वैकल्पिक मार्गों से जोड़ने की जरूरत है। लोग अभी भूले नहीं हैं। 31 जुलाई 2024 की रात केदारनाथ पैदल मार्ग में बादल फटने से जंगलचट्टी, भीमबली, लिंचोली तथा रामबाड़ा के क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ था। भीमबली पुलिस चौकी के पास इसका लगभग 30 मीटर हिस्सा बह गया था। दो पुल भी बह गए थे। जंगलचट्टी में 60 मीटर व गौरीकुंड में घोड़ा पड़ाव के पास 15 मीटर सड़क बिल्कुल खत्म हो गई थी। लगभग 15,000 यात्री जहां-तहां फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने में पूरे पंद्रह दिन लग गए थे। पैदल मार्ग लगभग 29 जगह क्षतिग्रस्त हुआ था। इसके बाद तो पूरे यात्राकाल में पैदल मार्ग खुलता और बंद होता रहा। इस साल जून में ही मार्ग पर भारी पत्थर गिरने से पैदल यात्रा रोकनी पड़ी। मानसून से पहले भी पूरे देश में तेज बरसात होने लगी है। उत्तराखंड भी इसका अपवाद नहीं है। पूरी आशंका है कि भूस्खलन व मार्ग पर मलबा गिरना जारी रहेगा। इसलिए वैकल्पिक पैदल मार्गों की रणनीति अपनाने का समय आ गया है। इस बार हेलीकॉप्टर दुर्घटना भी 15 जून को हुई है, जिसमें कुल सात लोगों ने जान गंवाई है। वैसे भी बरसात में हेलीकॉप्टर सेवा बाधित होती है। ऐसे में, वैकल्पिक पैदल मार्गों को चुस्त-दुरुस्त रखना आवश्यक हो गया है। बीते वर्ष मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मार्ग की क्षतियों के आकलन व उस पर रिपोर्ट देने की जिम्मेदारी नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी के पूर्व प्रधानाचार्य (सेवा निवृत्त) कर्नल अजय कोठियाल को दी थी। आकलन में यह भी पता चला है कि गिरते झरनों से होने वाले कटाव से भी पैदल मार्ग की चौड़ाई जगह-जगह कम हुई है। अब साल 2013 में ध्वस्त हुए व बंद किए गए पैदल मार्ग को चालू कर वहां से भी यात्रा चलाई जाएगी। वर्तमान पैदल मार्ग को भी पूरी तरह से ठीक किया जाएगा। 16-17 जून 2013 की आपदा में पारंपरिक 14 किलोमीटर का गौरीकुंड- केदारनाथ पैदल मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। रामबाड़ा का तो नामो-निशान ही नहीं बचा। वन विभाग से मिली भूमि उपयोग की अनुमति के बाद 2013 में क्षतिग्रस्त हुए मार्ग को ठीक करने की राह खुली। कर्नल कोठियाल के ही नेतृत्व में उनके 12 सदस्यीय दल ने जून 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद मंदाकिनी घाटी में ट्रैकिंग कर तीन वैकल्पिक मार्ग बताए थे। एक माह के भीतर ही उत्तराखंड सरकार को चौमासी-खाम-रेंका केदारनाथ मार्ग सुझाया था। इसमें दूरी 34 किलोमीटर है और चलने में तीन दिन लगते हैं। वैकल्पिक मार्गों को अगर दुरुस्त कर दिया जाए, तब मंदाकिनी के दोनों छोरों से चलने पर केदारपुरी पहुंचने के लिए दो वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो जाएंगे। जुलाई 2024 की आपदा के बाद केवल एक ही खुलते और बंद होते मार्ग की वजह से श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल हो जा रहा है। पहाड़ों में अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए अधिक मार्ग तो होने ही चाहिए, क्योंकि समय के साथ श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ती ही जाएगी। बीते सीजन में लगभग 16 लाख लोग पैदल मार्ग से केदारनाथ पहुंचे थे।

सीएम मोहन यादव के काफिले के 19 गाड़ियों में भरा मिलावटी ईंधन, पेट्रोल पंप सील

आज का राशिफल

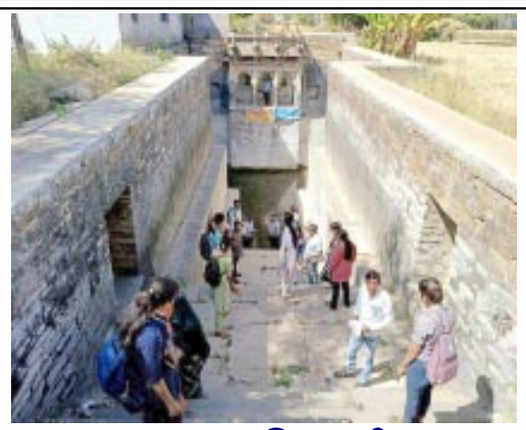

❊❊❊ सफलता की कहानी ❊❊❊
जल गंगा संवर्धन अभियान से बावड़ियां पुन: अपने मूल स्वरूप में लौटी

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले की समस्त जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लोगों द्वारा उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभाई जा रही हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं। इसके साथ ही बावडियों की सफाई भी की जा रही है। अभियान के तहत गरोठ में जन अभियान परिषद द्वारा बावडी की साफ सफाई की गई और उसे साफ एवं स्व च्छि बनाया गया। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले के नागरिकों ने उत्साह से सहभागिता की तथा जल संरक्षण के लिए नदी, नालों, तालाबों, कुएं, बावडियों की साफ-सफाई कर जल संरक्षण की शपथ ली। नागरिकगण इस अभियान से जुडकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दे रहे हैं।

शिव धाम का यह पवित्र भवन नगर को आध्यात्म की नई दिशा देगा-बीके सूर्य

जीरन में शिव धाम भवन में दिव्य प्रवेश एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जीरन नगरी में बना यह नवीन शिव धाम अपनी आध्यात्मिक किरणों के द्वारा नगर में निरंतर सुख-शांति के प्रकम्पन्न प्रवाहित करेगा। इसके सुन्दर हॉल में हमेशा सेवाओं के कार्यक्रम चलते रहेंगे तथा विशेष ध्यान कक्ष के शक्तिशाली वाईब्रेशन हर राजयोग साधक को आध्यात्मिक शक्तियों से परिपूर्ण कर आंतरिक खुशी प्रदान करेगा। उपरोक्त विचार विश्वक विख्यात प्रेरक वक्ता, मानस मर्मज्ञ एवं संकल्प सिद्ध योगी ब्रह्माकुमार सूर्य भाई जी ने अपने वक्तव्य में कहे। आप यहाँ ब्रह्माकुमारीज़ की विशाल दो मंजिला भवन के दिव्य प्रवेश के अवसर पर पधारे थे। आपके साथ ही प्रेरक वक्ता, दिव्य प्रभा एवं साहित्स सृजक, अन्तर्राष्ट्रीय विभूति राजयोगिनी बी.के.गीता बहन जी भी उपस्थित थे। दोनों विशिष्टअतिथि द्वय ने शिवधाम के प्रवेश द्वार पर ओम शान्ति की ध्वनि के साथ नारियल फोड़कर तथा फीता काटकर दिव्य प्रवेश किया तथा शिव भोलानाथ के भण्डारे में अपने हाथों से भोग प्रसादी बनाई, तत्पश्चा त बहुत बडी

संख्या में उपस्थित ब्रह्मावत्सों को संबोधित करके आध्यात्मिक सेवाओं के लक्ष्य देकर मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निर्भय, निश्चिंत और खुशहाल जीवन के लिए टिप्स देने वाले कार्यक्रम सुख शांति की ओर कदम.. का शुभारंभ अतिथि द्वय ने राजयोगिनी बी.के.सविता दीदी, राजयोगी बी.के.सुरेन्द्र भाई, बी.के.श्रुति बहन, बी.के.ज्योति बहन एवं बी.के.वर्षा बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ञभवलित कर किया। अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश जी मेहता एवं पूर्व न.पं.अध्यक्ष जीवराज धानुक ने किया। बी.के.सूर्य भाई जी तथा राजयोगिनी बी.के.गीता दीदी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से सभी को लाभान्वित किया तथा खुशहाल जीवन शैली के अनेक सहज, सरल उपाय बताऐ। स्वागत भाषण बी.के.सविता दीदी ने दिया तथा आभार प्रदर्शन बी.के.सुरेन्द्र भाई ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन बी.के.श्रुति बहन द्वारा किया गया। अंत में सभी को पवित्र प्रसादी वितरित की गई।

केन्द्र एवं राज्य सरकार जनजातीय वर्ग के उत्थान हेतु प्रतिबद्ध -परिहार

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र एवं राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। जनजातीय वर्ग के उत्थान हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस वर्ग के कल्याण हेतु धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जनजातीय जागरूकता के लिए जिले के ग्रामों में जनजातीय वर्ग के हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने एवं जागरूकता हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह बात विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, ने शनिवार को आयुष भवन नीमच में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जनजातीय जागरूकता के जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अतिथिगणों ने माँ सरस्वती एवं भगवान बिरसा मुण्डा की तस्वीर पर माल्यार्पण दीप प्रज्ञवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला संयोजक श्री राकेश कुमार राठौर ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

भाजपा ने अधिकांश बूथों पर सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का 123 वें एपिसोड बूथ पर रहने वाले वरिष्ठजनों एवं बूथ कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थित में सुना गया। भारतीय जनता पार्टी जिला मंदसौर में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में जिले के अधिकांश बूथों पर जिला भाजपा द्वारा तय किए गए भाजपा के राष्ट्रीय, प्रादेशिक और जिला स्तर के जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक बूथ पर मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया।

मन की बात के इस कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता एवं भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने आज मंदसौर उत्तर मंडल के बूथ क्रमांक 55 पर यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 123 वे एपिसोड को मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत जी सहित पार्टी पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता साथियों के साथ सुना। इसी प्रकार राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर एवं पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने ग्राम खोडाना में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम को अनुसूचित जनजाति के भाई बहनों के साथ सुना। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विजय मेहता जी, भाजपा नेता तेजपाल सिंह जी सहित स्थानीय जन उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व गृहमंत्री कैलाश चावला ने वार्ड क्रमांक 3 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया। इसी प्रकार विधायक हरदीप सिंह डंग ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 123 वे एपिसोड को सुवासरा मंडल के बूथ क्रमांक 270 पर पार्टी पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता साथियों के साथ सुना। इसी प्रकार विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 123 वे एपिसोड को आज ग्राम बोलिया में बूथ क्रमांक 259 पर पार्टी पदाधिकारीगण एवं वार्ड वासियों के साथ सुना। इस अवसर पर जनपद सदस्य प्रतिनिधि अरुण मनीष पाटीदार, ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि मांगीलाल पाटीदार, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद भावसार, राजेंद्र राठौर, गोपाल भगवान, मांगीलाल चौहान, मोहनलाल राठौड, भारत पाटीदार, दीपक मोदी, मंडल मंत्री अमित मामा, कचरूलाल विश्वकर्मा सहित कार्यकर्ता बंधु एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इसी प्रकार पूर्व विधायक देवीलाल धाकड ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी के मन की बात कार्यक्रम को गांधीसागर बूथ क्र. 06 पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इसी प्रकार भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कीयावत ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम भाजपा दक्षिण मंडल के बूथ क्रमांक 110 पर सुना श्र इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता हिम्मत डांगी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रानू भावसार, मंडल महामंत्री अमन फरक्या, धर्मेंद्र जटिया, मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र पवार, अनीता कोठारी व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य मुकेश काला नेआज 'मन की बात' का 123वां ऐतिहासिक एपिसोड बूथ संख्या 96 पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायक 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर उत्तर मंडल उपाध्यक्ष निराँत जी बग्गा ,संजय जी राठौर ,सुयश राठौर ,बूथ अध्यक्ष ने मिलकर प्रधानमंत्री जी के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और आत्मसात किया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नीलेश जैन ने दी।

सांसद गुप्ता को जिला माउंटेनियरिंग संगठन का स्मृति चिन्ह भेंट किया

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। ट्रूप कमांडर एवं जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन के सचिव जितेंद्र कनौजिया की टीम दूसरी बार मंदसौर जिले से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए माननीय सांसद सुधीर गुप्ता, के नेतृत्व में लेह लद्दाख कार्जोक 16000 फीट हाइट पर पहुंचे जहां 5 राष्ट्रीय राइफल भारतीय सेना यूनिट में सभी माउंटेनियर का मेडिकल चेकअप किया गया, एवं मेजर आशुतोष द्वारा दिशा निर्देश दिए गए, लद्दाख में 20 किलोमीटर का ट्रैकिंग पिक सबमिट किया, उसके बाद भारतीय पर्वतारोहण संस्था नई दिल्ली के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की फ्रेंडशिप चोटी के लिए निकले किसकी उंचाई 5,289 मीटर (17,346 फीट) की उंचाई पर स्थित है। यह भारत के हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी में पीर पंजाल रेंज में स्थित है यहां चोटी पर चढाई करने के लिए डुंडी से ट्रैकिंग स्टार्ट कर बकारताश होते हुए लेडी लेग पहुंचे जहां बेस कैंप लगाया गया और प्रशिक्षण प्राप्त किया दो दिन अभ्यास के बाद एडवांस बेस्ट कैंप लगाया गया जहां पर भारी बर्फबारी का सामना करते हुए 28 मई रात्रि 11:00 बजे चढाई शुरू कर 29 मई 2025 को अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस के दिन फ्रेंडशिप चोटी पर पहुंचकर सुबह 6:00 बजे तिरंगा फहराया, साथ ही भारतीय सेना, एनसीसी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश पुलिस और जिला मंदसौर माउंटिंग संगठन ध्वज फहराया गया, उक्त जानकारी देते हुए इस अभियान में मंदसौर जिले से 10 पर्वतारोही ने भाग लिया था जिसमें ट्रूप कमांडर जितेन्द्र कनौजिया, जैनिश बरड्या, कृष्णा कनौजिया, ललित कुमार परमार, पराग शर्मा, नेहा शर्मा, प्राची व्यास, लोकेंद्र कुमार सामेरिया, रिंकू शुक्ला, इस अभियान में भाग लिया और एक्सपीडिशन लीडर द्वारा पूरी टीम में पराग शर्मा बेस्ट क्लाइंबर घोषित किए गए पूरी टीम सकुशल लौटने पर जिला माउंटेनियरिंग संगठन द्वारा जिले के संरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, कार्यकारी अध्यक्ष एवं मेजर डॉक्टर विजय सिंह पुरावत एवं ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया द्वारा माननीय सांसद महोदय को माउंटेनियरिंग स्मृति चिन्ह भेंट किया

सीए ब्रांच ने आयोजित किया बैडमिंटन टूर्नामेंट

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। खेलों से शारीरिक विकास तो होता ही है, साथ ही मानसिक विकास में भी खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बैडमिंटन

खेलते वक्त शटल हमारे पास आती है, उसके पहले ही हमें किस प्रकार शॉट मारना है, यह तैयारी मन ही मन कर लेनी होती है। इसी प्रकार अपनी बारी में सर्विस करते समय ही हमें यह अंदाजा लगा लेना होता है कि सामने वाला खिलाडी शटल को वापिस किधर मारेगा और तब हमारी रणनीति क्या होगी। इस प्रकार से खेल हमारी तत्काल निर्णय लेने की क्षमता में अभिवृद्धि करते हैं।

उक्त विचार मन्दसौर के वरिष्ठ चिकित्सक व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व लायन्स क्लब मन्दसौर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रदीप चेलावत ने मन्दसौर सीए ब्रांच द्वारा विद्यार्थियों के लिये आयोजित खेल स्पर्धा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। मन्दसौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने कहा कि निरोगी जीवन जीने के लिये हमें किसी न किसी खेल को अपनी दिनचर्या का अंग बना लेना चाहिये। खेल के मैदान पर हमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने को मिलती है, जो हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मददगार सिद्ध होती है। इसी उद्देश्य को लेकर ब्रांच द्वारा बैडमिंटन, क्रिकेट व अन्य प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 50 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता दर्ज की। बैडमिंटन स्पर्धा में बालक वर्ग में उदित अग्रवाल विजेता व प्रभव जैन उपविजेता रहे। बालिका वर्ग में प्रेक्षा बाफना विजेता व स्वास्ति शर्मा उपविजेता रही। इन स्पर्धाओं के आयोजन में सीए अर्पित नागदा, सीए सुबोध सिंहल, सीए विनय अग्रवाल, सीए अर्पित मेहता, सीए नितेश भदादा, सीए अर्पित नागर, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए नितिन देवनानी, सीए आशीष जैन, सीए अमन नाहर, सीए सुशील जैसवानी, सीए विशाल मोगरा, सीए नयन जैन के साथ ही सिकासा सचिव किसले सैनी का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सीए अर्पित नागर ने किया। आभार प्रदर्शन प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए सुबोध सिंहल ने किया।

थैलेसिमिया वार्ड में वस्त्र व्यवसायी संघ के माध्यम से सुविधाओं में विस्तार

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला वस्त्र व्यवसायी कल्याण संघ समिति नीमच द्वारा मानव सेवा एवं परोपकार एवं कल्याण की भावना को मूर्त रूप देते हुए जिला चिकित्सालय में नव सुसज्जित थैलेसिमिया वार्ड में 2 टन ए.सी. तथा हिमोग्लोबीनोमीटर की सेवाए समर्पित की। इस अवसर पर परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.खद्योत ने कहा, कि व्यापार के साथ समाज सेवा हेतु वस्त्र व्यवसायियों द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है, इससे अन्य समाज एवं व्यवसायीयों को भी प्रेरणा मिलेगी, जिससे चिकित्सा के क्षेत्र में मरीजो को व्यापक सुविधाए प्राप्त होगी।

डॉ.खद्योत ने बताया, कि थैलेसिमिया एवं सिकल सेल दोनो अनुवांशित बीमारी है, जो कि माता-पिता से बच्चों में संचारित होती है, इसलिये समय पर जाँच करवाने से इस बीमारी के संक्रमण को रोका जा सकता है। डॉ.खद्योत ने बताया, कि वर्तमान में 90 बच्चों को थैलेसिमिया संक्रमण के कारण प्रतिमाह, सप्ताह खून चढाने की जरूरत होती है, उन बच्चों को वार्ड में भर्ती रखा जाता है तथा सुविधाए प्रदाय की जाती है। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के डीन डॉ.आदित्य एस.बारेड ने सम्बोधित करते हुए बताया, कि आगामी समय में मेडिकल कालेज की सुविधाओ में भी विस्तार होगा तथा बच्चों एवं मरीजों के बेड में बढ़ोतरी होगी साथ ही थैलेसिमिया रोग के बारे में भी नवागत प्रशिक्षु, चिकित्सको को रिसर्च का मौका मिलेगा। डॉ.बारेड ने वस्त्र व्यवसायी संघ द्वारा एम.आर.आई. मशीन की मांग पर बताया, कि आगामी समय में शासन स्तर से एम.आर.आई. मशीन लगाई जाना प्रस्तावित है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.महेन्द्र पाटील ने इस बात पर जोर दिया, कि विवाह के पूर्व जन्म कुंडली के साथ रक्त कुंडली भी मिलाई जाए, जिससे वंशानुगत रोगों पर नियंत्रण किया जा सके।

समारोह मे कार्यक्रम के संयोजक थैलेसिमिया वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र सिंह राठौर ने थैलेसिमिया के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुए सोसायटी द्वारा प्रदाय की जा रही सुविधाए, एच.एल.ए. कैम्प एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आगामी समय में इस बीमारी के जनजागरूता के लिये स्कूल एंव कालेज में सेमिनार का आयोजन किया जावेगा तथा भविष्य की पीढी को जागरूक किया जावेगा। समारोह में वस्त्र व्यापारी संघ के संरक्षक श्री जिनेन्द्र डोसी ने कहा, कि संघ द्वारा जनहित के कार्यों को निरंतर धरातल पर उतारा जा रहा है आगे भी जिला चिकित्सालय, मेडिकल कालेज में मरीजों के परिजनों के लिये सुविधाओ की आवश्यकता होगी, तो संघ अग्र पंक्ति में खडा रहेगा। कार्यक्रम का संचालन श्री वैभव पारीख, ने किया तथा आभार श्री दीपक पारवानी ने माना। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के डॉ.आदेष पाटीदार, वस्त्र व्यवसायी संघ के अध्यक्ष श्री दिलीप मौगरा, कोषाध्यक्ष श्री दीपक शर्मा सहित अन्य व्यवसायी उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो, कि जिस वार्ड में वर्तमान में थैलेसिमिया वार्ड संचालित है। उस वार्ड का 1996 में वस्त्र व्यवसायी संघ द्वारा जिर्णोद्धार करवाया गया था। उक्त शिलालेख को भी संघ द्वारा नवीनीकृत किया गया। समारोह पश्चत सुविधाओ को जिला चिकित्सालय को समर्पित किया गया। इस अवसर पर वस्त्र व्यवसायी संघ एवं उपस्थित आमजन हेतु नि:शुल्क हिमोग्लो बीन जांच शिविर का आयोजन भी किया गया था, जिसमें आमजन द्वारा जांच करवाई गई।

आचार्य सत्य सिद्धा गिरी के मुखारबिन्द से सात दिवसीय शिव महापुराण कथा एवं रूद्राभिषेक का आयोजन 20 जुलाई से

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। परम पुज्य ऋतुम्भरा दीदी मां की शिष्या आचार्य सत्य सिद्धा गिरी के मुखारबिन्द से सात दिवसीय शिव महापुराण कथा एवं रूद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय सीएसवी अग्रोह भवन में 20 जुलाई से प्रारंभ होगा।

जानकारी देते हुए आयोजन समिति ओम शिव भक्त मण्डल की सचिव छाया जायसवाल ने बताया कि 20 जुलाई रविवार को प्रात: 09 से 11 बजे तक रूद्राभिषेक किया जाएगा, जिसके बाद दोपहर 2 से सायं 05 बजे तक शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। इस धार्मिक आयोजन में अग्रवाल विकास समिति और अन्नपूर्णा सेवा न्यास संस्था भी सहयोगी रहेगी। इस अयोजन के संयोजक प्रहलाद राय गर्ग, संरक्षक राकेश पप्पू जैन, मनोहर अर्जनानी, कमल गर्ग, सुरेश माहेश्वरी, जितेन्द्र सोनी, ओम अग्रवाल, रामचन्द्र सैनी तथा अध्यक्ष शिवनारायण गर्ग सचिव छाया जायसवाल होंगे तथा उपाध्यक्ष गोपाल गर्ग, श्री राम गोडबोले, अजय भटनागर, छत्रपाल सिंह परिहार, सुनील सिंहल, पुरूषोत्तम मिश्रा, तोषिका बंसल, राजेन्द्र गुजेटिया एवं वित समिति के प्रकाश मंडवारिया, पारस सगरावत, राजेन्द गर्ग सदस्य रहेंगे। साथ ही आयोजन व्यवस्थापक में जगदीश शर्मा, अनील मंगल, पंकज मित्तल, नवीन गोयल, संदीप गर्ग, घनश्याम शर्मा शामिल रहेंगे।

वही रूद्राअभिषेक व्यवस्थापक के लिए ज्योति जोशी, हेमलता पाठक, दुर्गा जोशी, चन्द्रकांता दानगड, ओम चौधरी, दिनेश शर्मा, हेमन्त अजमेरा, राजेन्द्र यादव उपस्थित रहेंगे। शिव महापुराण कथा व्यवस्थापक के लिए प्रवीण ओरेंदेकर, अजय जिंदल, जिनेन्द्र मेहता, विरेन्द्र पाटीदार, मधु चतुर्वेदी, राधावल्लभ मंडोवरा, संजय गोहर, चन्दु तलरेजा, ललित पाटीदार, अभिषेक कोठारी, सुनील जैन, अनील जैन, ओम सैनी, दीपक व्यास, घनश्याम कोराने, संतोष आशर्मा, कपिल मालानी, अखिलेश जैन, सुरेखा यादव, अंजु नरूका, सेल्जा चौहान, सिमरन कोठ्वानी, अर्चना बैरागी, मोहन यादव, लोकेश सैनी, दुष्यन्त पुरोहित, राजेश पाटीदार, राहुल पामेचा, आशिष कॉठेड, उत्सव जोशी, दीपक मून्दडा उपस्थित रहेंगे।

जागृति योजना से वंचित वर्गों तक विधिक सहायता एवं न्याय की होगी पहुंच

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मन्दसौर द्वारा डीएलएसए कार्यालय परिसर में NALSA जागृति यूनिट का ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की जागृति योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों तक विधिक सहायता एवं न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना है।

उक्त कार्यक्रम माननीय श्री कपिल मेहता, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मन्दसौर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी, तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री कपिल मेहता द्वारा जागृति योजना की आवश्यकता, उद्देश्यों, कार्यप्रणाली, विभागीय समन्वय, तथा जमीनी स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उन्होंने योजना के अंतर्गत झडती की भूमिका, मोबाइल विधिक सहायता संरचना, पात्रता मापदंड, तथा विभागीय भागीदारी जैसे प्रमुख बिंदुओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर पालिका, सामाजिक न्याय विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, पैनल अधिवक्ताओं, झडती तथा अन्य संस्थाओं से संबंधित पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम में तहसील स्तर पर गठित तालुका जागृति यूनिट के सदस्यगण वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए। सभी विभागीय प्रतिनिधियों ने जागरूकता और विधिक सेवा के विस्तार में पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह जागृति यूनिट न्याय को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में एक सशक्त पहल है, जो विधिक जागरूकता, सहायता और संवाद के माध्यम से न्याय सुलभता सुनिश्चित करने हेतु कटिबद्ध है।

पटवारी मांगूदास बैरागी का सेवानिवृत्ति समारोह सम्पन्न

नगरी, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। परिवर्तन संसार का नियम है, परिवर्तन को हमेशा सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। शासकीय सेवा में सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है किंतु इंसान कभी भी सदकार्यों से सेवानिवृत्ति नहीं होता है। उक्त विचार पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने पटवारी मांगूदास बैरागी के सेवानिवृत्त समारोह में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कही। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं वसुली पटेल रामेश्वर अटोलिया, सांसद प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड, रामप्रताप वाकतरिया ने भी संबोधित किया।

इसके पुर्व स्थानीय पटवारी कार्यालय पर भी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रेस क्लब ने शाल श्रीफल से पटवारी बैरागी का सम्मान किया। नवागत पटवारी महेश पाटीदार का भी ज्वाइन होने पर सम्मान किया। पटवारी कार्यालय से श्री बैरागी का बैंड

बाजों एवं आतिशबाजी के साथ बिदाई जूलुस बस स्टैंड तक निकला। स्थानीय नागरिकों ने पुष्पमाला से स्वागत किया। नगर में 15 सालों से सेवारत श्री बैरागी का चोकीदार सोहन लाल प्रजापत ने सपरिवार सेवानिवृत्ति बैरागी का सम्मान किया। कार्यक्रम में पार्षद राजेश जैन, देवराम वाकतरिया, रामचंद्र रडवारिया, यशवंत अटोलिया, नप लेखापाल बद्रीलाल प्रजापत, गोपाल बारोठ, पटवारी जय तोमर, दोलतराम श्रीमाल, दशरथ धाकड, यशवंत धाकड, नरेंद्र प्रजापत, राजकुमार जैन, भरत जडवासा , पुष्कर कुमावत , पिंटू पपोंडिया सहित बडी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पार्षद प्रतिनिधि मुकेश चचावद ने एवं आभार चोकीदार सोहनलाल प्रजापत ने माना।

विहिप बजरंग दल द्वारा ग्राम पिंडा में बोर्ड स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल भालोट प्रखंड के खंड डिगांव के ग्राम पिंडा में संगठन के बोर्ड स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सत्संग प्रमुख कन्हैयालाल धनगर उपस्थित रहे। साथ ही भालोट प्रखंड अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा, प्रखंड मंत्री राकेश विश्वकर्मा, प्रखंड संयोजक दशरथ गुर्जर, प्रखंड सह गौरक्षा प्रमुख हरीश धनगर, डिगांव खंड मंत्री प्रकाश धाकड, डिगांव खंड गौ रक्षा प्रमुख लक्ष्मीनारायण आर्य एवं ग्राम समिति पिंडा के सक्रिय कार्यकर्ता अजय पाटीदार, रोहित पाटीदार, संजय प्रजापत, अर्जुन पाटीदार, अजय प्रजापत, विजय प्रजापत, मनीष प्रजापत, आयुष प्रजापत, बंटी पाटीदार, प्रकाश कुमावत सेतखेडी, के साथ ही अन्य कार्यकर्ताओं ने संगठन के बोर्ड स्थापना कार्यक्रम में बढ-चढकर हिस्सा लिया। आभार प्रखंड सह गोरक्षा प्रमुख हरीश धनगर व ग्राम समिति पिंडा के कार्यकर्ताओं ने माना।

भारत दिखा भव्य

समूह नायक शुभांशु
मिशन एक्सीओम
अंतरिक्ष में उडन छू
भारत पहुंचा व्योम।
18 मिनट 28 सेकंड
प्रधानमंत्री की बात
शुभांशु शुक्ला से
नवयुग की शुरूआत।
16 बार परिक्रमा
16 सूर्यास्त 16 सूर्योदय
एस्ट्रोनॉट ने कहा
भारत दिखा भव्य।

नन्दकिशोर राठौर, मंदसौर

महाकवि कालिदास की चिर स्मृतियां दशपुर में स्थापित की जावे

प्रमाण बताते हैं कालिदास की जन्म स्थली दशपुर ही रही होगी, कालिदास प्रसंग के आयोजन से नगर के साहित्यकार हुए गद्गद्

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कालिदास संस्कृत अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद उज्जैन एवं जिला प्रशासन मंदसौर का संयुक्त गौरवपूर्ण कालिदास प्रसंग 26- 27 जून 2025 का आयोजन मंदसौर नगर के लिए गौरव की बात है जिसमें कालिदास से जुडे प्रसंगों के साथ महाकवि की सांस्कृतिक विरासत को दशपुर में स्थापित करने के विचार शिलालेख, मेघदूत एवं अभिज्ञान शाकुंतलम पुस्तक प्रतिमा के साथ महाकवि कालिदास के मालवा क्षेत्र के होने के विचारों पर शोध के साथ आगामी कालिदास प्रसंग कार्यक्रम में कवि, कहानीकार, साहित्यकार एवं विषय विशेषज्ञ को जोडने के सुझाव माननीय उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा एवं सांसद श्री सुधीर गुप्ता द्वारा मंच के साथ साझा किए।

समापन सत्र में पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसोदिया के द्वारा कालिदास के दशपुर क्षेत्र में जन्म होने के पूर्व वक्ताओं के व्याख्यान को आधार बनाकर इस विषय पर गंभीरता से शोध करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया वहीं प्रदेश में उज्जैन के बाद कालिदास की सबसे अधिक काव्य प्रमाणों में दशपुर का उल्लेख पाए जाने के कारण दशपुर में श्री कालिदास की प्रतिमा स्थापना को महती आवश्यकता बताया साथ ही विभिन्न भवनों, संस्थाओं, चौराहों के नामकरण में कालिदास की स्मृति से जोडने की बात कही, वही नगर की साहित्यिक संस्थाओं को कालिदास के बारे में संगोष्ठी, काव्य गोष्ठी तथा कवि सम्मेलनों में प्राथमिकता में इस व्यक्तित्व का उल्लेख किए जाने का सलाह भी प्रदान की।

इस आयोजन की प्रेरणा से ही लेखक नंदकिशोर राठौर ने तथ्यों का मनन किया तो पाया कि, महाकवि कालिदास का जन्म एवं मृत्यु का निश्चित समय एवं स्थान ज्ञात नहीं है लेकिन उनका समय चौथी-पांचवी शताब्दी ईस्वी के आसपास माना जाता है जो भारतीय इतिहास में गुप्तकाल का समय था कुछ विद्वान उनका जन्म उत्तराखंड के कबिल्दा ग्राम को मानते हैं। तो कुछ विद्वान उनको अवंतिका क्षेत्र (वर्तमान उज्जैन) को मानते हैं। इस मत को प्रतिपादित करने वाले विद्वानों का सबसे प्रबल पक्ष गुप्तकाल के राजा विक्रमादित्य के दरबार के नवरत्न में कालिदास को शामिल किया जाना मानते हैं। अवन्तिका क्षेत्र में भी दशपुर को कालिदास की जन्म स्थली मानने वाला है। तीसरा पक्ष मानता है कि कालिदास का जन्म स्थल चर्मवती नदी से 15 मील दूर था जो दशपुर क्षेत्र की ओर ही इशारा करता है। क्षेत्र के इतिहास कार डॉ पूरन सहगल ने भी गौरव दिवस व्याख्यान में इस बात को कहा था कि कालिदास दशपुर के थे जो विक्रमादित्य के दरबार उज्जैन में विद्वता में परिपक्व होने के पश्चात गए थे। एक तथ्य यह भी है कि कालिदास के काव्य मेघदूत के पात्र यक्ष द्वारा बादल (मेघ) को दूत के रूप में रामगिरी पर्वत से अलकापुरी का मार्ग जिसमें क्षिप्रा नदी महाकाल में गर्जना करते हुए जाना, चर्मवती नदी (वर्तमान चंबल) के निकट दशपुर नगर की वधुओं के द्वारा कुतूहल पूर्वक में मेघों को निहारते नेत्रों की सुंदरता का वर्णन प्रमाणित करता है कि उपरोक्त क्षेत्र जो दशपुर है उसकी भौगोलिक जानकारी कालिदास के दशपुर से होने की पुष्टि करती है। साथ ही दशपुर की वधुओं द्वारा कुतूहल पूर्वक मेघ को निहारना दर्शाता है कि कालिदास को दशपुर की महिलाओं की मन: स्थिति का ज्ञान था कि दशपुर का पुरूष वर्ग व्यापार करने परदेस जाता रहा है जिनके वर्षा ऋतु में ही घर वापसी होती थी। प्रियतम के घर आने की आस वर्षा ऋतु से जुडी और वर्षा बादलों के आने से जुड़ाव ही आषाढ माह में दशपुर की महिलाओं को आषाढ के मेघों को उत्सुकता पूर्वक देखने की प्रेरणा देता है। जनमानस की इतनी जानकारी इस क्षेत्र के किसी व्यक्ति को ही हो सकती है जो कालिदास के दशपुर क्षेत्र से होने का प्रमाण है । इसके अतिरिक्त रूपक मालविकाग्निमित्र के मंगलाचरण में कवि कालिदास द्वारा शिव स्तुति का उल्लेख किया गया है जिसमें गजचर्म को धारण करने वाले पार्वती को सदा संग रखने वाले, आठ शरीर से जगत को धारण करके भी अहंकार से दूर भगवान शंकर का उल्लेख किया गया है। इस मंगलाचरण में आठ शरीर से जगत को धारण करने वालेष् से आशय भगवान शिव के आठ शरीर के आठ मुखो से होना प्रतीत होता है। जिसका प्रति स्वरूप अष्टमुखी शिव प्रतिमा की ओर इशारा करता है । जो दशपुर (वर्तमान में मंदसौर) की शिवना नदी से प्राप्त पशुपतिनाथ प्रतिमा होकर मंदसौर में विराजित है। महाकवि के महाकाव्य रघुवंशम में भी शिव के आठ मुखो वाली अष्टमुखी प्रतिमा के बारे में उल्लेख मिलता है। जिसकी वर्तमान में स्थित दशपुर (वर्तमान मंदसौर) के पाई जाती है। मंदसौर में आयोजित कालिदास प्रसंग का दो दिवसीय आयोजन से साहित्यकार कालिदास दशपुर में जन्मे की धारणा से रूबरू होकर महाकवि कालिदास की संस्कृति काव्य एवं नाट्य नृत्य, गायन वादन, विद्वानों के व्याख्यान से नगरवासी गदगद हुए। इस आयोजन से नगर के प्रबुद्ध, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, कवि साहित्यकार, गणमान्य केमन में एक ही विचार की अवधारणा बनी की महाकवि कालिदास की जन्मस्थली दशपुर की रही होगी।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

मास्टर ऑफ जर्नलिज्म की उपाधि से सुशोभित भाई महावीर प्रसाद अग्रवाल

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदार और निर्भीक कलमकार जाना पहचाना नाम वरिष्ठ पत्रकार भाई श्री महावीर

प्रसाद अग्रवाल जिन्होंने हाल ही में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा (महाराष्ट्र) से मास्टर ऑफ जर्नलिज्म की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त कर जिले का ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया। सच्चाई की मशाल थामे पत्रकारिता क्षेत्र को नया आयाम देने वाले वरिष्ठ पत्रकार भाई महावीर को इस उपाधि से सुशोभित होने पर शहर का नागरिक होने के नाते में गर्व महसूस करता हूं उन्हें नमन करता हूं और पत्रकारिता के क्षेत्र के लिए यह उपाधि बडे ही गौरव की बात है पत्रकारिता जगत में उत्साह होना स्वाभाविक है। यह उपाधि आगे भी पत्रकारिता क्षेत्र में कोई प्राप्त कर सके या ना करें पर यह ईमानदारी जागरूकता मेहनत व लक्ष्य की बात है जो हर किसी में नहीं हो सकती।

भाई महावीर ने पत्रकारिता सहित सामाजिक क्षेत्र को नई दिशा दी। आप हमेशा कमजोरों की आवाज को बुलंद करते रहे हैं। अंधेरे में सच की रोशनी फैलाने जैसे कार्य निष्ठा ईमानदारी और जागरूकता की मिसाल बने हुए हैं। मैंने उनकी लगन मेहनत संघर्ष को करीब से देखा है सिर्फ डिग्री लेने की बात नहीं बल्कि एक स्पष्ट सोच, जिम्मेदारी और समाज के प्रति इनका समर्पण जो काबिले-तारीफ है। इनकी कलम में सच्चाई की ताकत है। विचारों से समाज को जागरूक करने की क्षमता लिए हुए हैं। आप जन-जन की आवाज बनने की शक्ति और समाज को जागरूकता का पाठ पढाने वाले व मेरा मार्गदर्शन करने वाले इस पत्रकारिता के सफर से इस खुशी के मौके पर आगे की नई उडान के लिए शुभकामनाएं देता हूं। ईमानदारी और निष्ठा ही आपकी असली पहचान है। जिसका लाभ हम सभी को प्राप्त होता रहे। इसी अपेक्षा के साथ पुन: आपको बहुत-बहुत हार्दिक बधाई।

विमलचंद्र जैन मच्छीरक्षक

बाईस डाक्टरों की नियुक्ति, कई केंद्रों को नहीं मिले विशेषज्ञ

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल के लोगों को राहत देने हुए इस बार 22 विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना हुई। इससे कुछ जगहों पर राहत मिली तो कई स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं होने से लोगों की परेशानी जस की तस ही रहेगी। हाल ही में गरोठ सिविल अस्पताल में सात डॉक्टरों की पदस्थापना हुई है तो भानपुरा में पांच डॉक्टरों को पदस्थ करने का आदेश जारी हुआ है। वहीं बड़े अस्पताल में सात डॉक्टर, सीतामऊ और नारायणगढ़ में एक-एक और मल्हारगढ़में दो डॉक्टरों की पदस्थापना हुई है।

शामगढ़, सुवासरा, पिपलिया मंडी और अन्य केंद्रों पर डॉक्टरों की पदस्थापना नहीं हुई है। जबकि, शामगढ में तो कुछ दिनों पहले ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को लेकर नगर बंद से लेकर प्रदर्शन तक हुए। शामगढ में हाल में ही नया अस्पताल भी बनाया गया है। राहत की बात यह भी है कि बड़े अस्पताल में एमडी रेडियो की पदस्थापना होने के बाद दो साल से बंद पडी सोनाग्राफी यूनिट शुरु होने की संभावना बनी है। जिससे की मरीजों को आर्थिक भार से छुटकारा मिल सकता है।

पचास प्रतिशत नहीं करते ज्वाइन...

इससे पहले भी कई डॉक्टर और विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना जिले में हुई थी। लेकिन, उनमें से कई डॉक्टरों ने जिले में ज्वाइन ही नहीं किया। क्योंकि, वे शहर में काम करना पसंद करते है। ऐसे में जिला मुख्यालय पर डॉक्टर आ सकते है। लेकिन, ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों का ज्वाइन करना विभाग के ही अधिकारी टेढी खीर मान रहे है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक 50 फीसदी डॉक्टर ज्वाइन कर सकते है। यह प्रतिशत देखे तो केवल 10 से 11 डॉक्टर ज्वाइन कर सकते है। पिछले सालों में कई डॉक्टरों के स्थानातंरण जिले में हुए। लेकिन, उनमें से कई डॉक्टरों ने ज्वाइन नहीं किया है। हालांकि अधिकारी सभी डॉक्टरों के आने की बात कह रहे है।

पद्रह दिन में करना होगा ज्वाइन...

जिले में 22 विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना हुई है। इनकी पदस्थापना से बड़ी राहत जिले को मिल सकती है। लंबे समय से मंदसौर जिला डॉक्टरों की कमी को झेल रहा है। इन सभी डॉक्टरों को आदेश निकलने के 15 दिवस के भीतर संबंधित केंद्रों पर ज्वाइनिंग देना है। वही दूसरी और बंध पत्र पर ज्वाईनिंग के मामले में जिले का अनुभव उतना बेहतर नहीं रहा है।

इनकी हुई पदस्थापना...

बड़े अस्पताल में डॉ. पूजा पोरवाल, डॉ संतोष खराड़ी, डॉ अपूर्व शाह, डॉ शीराली, डॉ आदर्श जैन, डॉ चित्रा पाटीदार, मल्हारगढ़ में डॉ. शीबा राव, डॉ नमन जैन, भानपुरा में डॉ आमिर मुंशी, डॉ सुमित सिंह, डॉ सुप्रिया, डॉ बेग मिर्जा वाजिद, डॉ चेष्ठ गोयल, गरोठ में डॉ दीपक, डॉक्टर शुभम थोरी, डॉ मंजूनाथ, डॉ अभिषेक बंदूनी, डा मयंक सोनी, डॉ शैली वर्मा, डॉक्टर सोहम बेरा, नारायणगढ में डॉ आर्य प्रकाश, सीतामऊ में डॉ अंकिता कटारिया की पदस्थापना हुई है।

युवा समाजसेवी अरूल गंगानगर का सादगी से मना जन्म दिवस

पहले पूजा-पाठ, फिर मनाया जन्म दिवस का उत्सव, श्री शिवशक्ति आश्रम से लेकर आफिस तक दिखी सादगी

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। आधुनिकता की चकाचौंध में एक और जहां जन्म दिवस की पार्टी हो या फिर शादी की सालगिरह। इन्हें मनाने के तौर—तरीकों में बदलाव नजर आ रहा है, लेकिन नीमच के युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर का जन्म दिवस हर बार की तरह कुछ अलग ही अंदाज में मना। जन्मदिवस की मौके पर सनातनी संस्कृति की मिसाल देखने को मिली वहीं दूसरी और भक्ति और शक्ति का संगम भी जन्म दिवस पर नजर आया। शनिवार को प्रसिद्ध युवा समाजसेवी अरूल गंगागनगर ने जन्म दिवस की शुरूआत भक्ति के मार्ग शुरू की। श्री श्री 1008 कमलानंदजी महाराज की तपोभूमि श्री शिव शक्ति आश्रम लेवडा पर करीब 5 घंटे तक अरूल अरोरा ने कठिन तपस्या पूजा—अर्चना की और इसके बाद बंगला नंबर 48 स्थित आफिस पहुंचे और पहले से उपस्थित साथी, सहयोगी,स्टॉफ, चिर—परिचितों, बडे—बुजुर्गों के बीच

सादगीपूर्ण तरीके से जन्म दिवस मनाया गया। अरूल अरोरा के जन्म दिवस की गूंज सोशल मीडिया से लेकर नीमच सहित आस—पास के अंचल में दिनभर रही। अलसुबह से ही बधाइयों का दौर शुरू हो गया। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, वाटसऐप, इंस्टाग्राम में युवा समाजसेवी अरूल अरोरा गंगानगर का जन्म दिवस ट्रेडिंग पर रहा। सोशल मीडिया पर हर दूसरी या तीसरी पोस्ट श्री अरोरा की ही नजर आई।

श्री शिवशक्ति आश्रम लेवडा में की पार्थिव पूजा, गुरूजी का लिया आशीर्वाद- युवा समाजसेवी श्री अरोरा शनिवार सुबह 11:45 बजे अभिजित मुहूर्त में लेवडा स्थित श्री शिव शक्ति आश्रम पहुंचे। महान तपस्वी श्री श्री 1008 कमलनांनदगिरी जी महाराज की समाधि पर विराजित चरण पादुका का पूजन किया गया। वहीं पार्थिव पूजा की गई। विद्वान पंडित विक्रम शर्मा सहित 11 पंडितों द्वारा लघु रूद्र प्रयोग करवाया गया। इस मौके पर माताजी का पूजन भी किया गया। करीब 5 घंटे तक कठिन तपस्या, पूजा—अर्चना चली। उल्लेखनीय है कि अंचल का प्रसिद्ध श्री शिव शक्ति आश्रम में दिव्य शक्ति विराजित है। श्री श्री 1008 कमलनानंदगिरजी महाराज ने सालों तक तपस्या की और आश्रम में प्रवेश करते ही दिव्य शक्तियों का आभास हो जाता है।

संकुल स्तरीय संगठनों के क्षमतावर्धन हेतु प्रशिक्षण संपन्न

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में उमंग संकुल स्तरीय संगठन 'जीरन' का पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र भरभडीया में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में जिला प्रबंधक सूक्ष्म श्री हुकुमचंद कुमावत , जिला प्रबंधक कृषि श्री हेमन्त रामावत , सहायक जिला प्रबंधक सामुदायिक प्रशिक्षण श्री प्रकाश पालिया एवं सहायक विकास खंड प्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार चौहान से उपस्थित थे। उन्होंने प्रशिक्षण में भाग ले रही महिलाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें प्रदेश स्तर पर महिला संगठनों की भूमिका और प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रांगण में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया गया। पाँच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक श्री शम्भु मईडा संगठन की भूमिका, पारदर्शिता, सामुदायिक नेतृत्व और वित्तीय स्वावलंबन जैसे विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने ज्ञान और प्रशिक्षण का उपयोग जमीनी स्तर पर आत्मनिर्भरता के लिए करने हेतु प्रोत्साहित किया।

शिवना शुद्धिकरण की सफलता जनसहयोग और संकल्प की जीत है-विधायक

श्रमदानियों ने शिवना तट पर बहाया पसीना, चार ट्रॉली जलकुंभी व गंदगी नदी से निकाली

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। शिवना की निर्मल धारा अब न सिर्फ पर्यावरण की चेतना है, बल्कि एक नए मंदसौर की पहचान बन चुकी है। विधायक विपिन जैन के आव्हान पर हर रविवार को शिवना शुद्धिकरण का अभियान निरंतर जारी है। 29 जून रविवार के 51 वे दिन शिवना नदी के तट पर प्रात: 7 बजे श्रमदानी पहुंच गए थे । जहां पर सभी श्रमदानियों द्वारा श्रमदान कर शिवना नदी से जलकुंभी, गाद व कचरे की 4 ट्राली निकाली गई व छोटी पुलिया के पास घाट को साफ किया गया।

इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक विपिन जैन ने कहा कि अभी बारिश का मौसम है शिवना शुद्धिकरण अभियान सप्ताह में एक दिन रविवार को निरंतर जारी रहेगा। विधायक जैन ने आगे कहा कि इस कार्य में हर वर्ग के लोगों ने बढ-चढकर भाग लिया किसी ने श्रमदान किया, किसी ने पौधारोपण किया, तो किसी ने जनजागरण में योगदान दिया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भागीदारी की सराहना की और कहा कि जनता की जागरूकता ही हमारी सबसे बडी ताकत है। श्री जैन ने आगे कहा कि यह अभियान रुकने वाला नहीं यह निरंतर जारी रहेगा। सभी की मेहनत से सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे है। श्री जैन ने सभी लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि नदी में कचरा नहीं डालें इसे साफ रखें । आज शिवना शुद्धिकरण अभियान के अवसर पर विधायक विपिन जैन, रक्त सेवा संस्थान के रामनारायण मालवीय, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, इन्द्रेश कुमावत भगत, महीपालसिंह पंवार, समाज सेवियों मे सर्वश्री महेश दुबे, मनीष भावसार, हेमराज खाबिया, रामचंद्र मालवीय, भंवरलाल प्रजापत, रमेश सोनी, विजय आनंद, महिला नेत्रीयों में इष्ठ भाचावत, सुनीता बंडी, अनिता भदौरिया, प्रमिला पंवार, वर्षा धोसरिया, मीना चौहान, कांग्रेसजन मे सर्वश्री तरूण खीची, विकास दशोरा, राजनारायण लाड, संजय नाहर, रमेश सिंगार, विश्वास दुबे, मनोहर नाहटा, अजय सोनी, अशोकराव, राकेश सेन, सादिक गोरी, शैलेंद्र गोस्वामी, सोहनलाल धाकड, दुर्गेश चंदेल, अकरम खान, मनोहर रत्नावत, राजेश चौधरी, नितनेश बसेर, गोपाल बंजारा, राजाभाई, ऋषिराज लाड, गणपत कुमावत आदि आमजन उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ना पर्यावरण और संवेदनाओं का संरक्षण है-आईजी दत्ता

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। पर्यावरण हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। इसकी कीमत हमें कोरोना काल में पता चली जब आक्सीजन की कमी महसूस की गई। एक पेड मां के नाम पर रोपकर हम जहां की स्मृतियो को संजोते हैं वहीं पर्यावरण को भी संरक्षित करते हैं। यह बात सीआरपीएफ के आईजी संदीप दत्ता ने कही।

आईजी संदीप दत्ता ने कहा पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। एनएसएसजी ग्रुप पर्यावरण क्षेत्र व अन्य सामाजिक क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। आईजी ने कहा सीआरपीएफ का हमेशा लक्ष्य रहा है कि हम पर्यावरण के प्रति जागरूक रहे और जागरूकता कार्य कर रहे हैं। हर साल पांच हजार से ज्यादा पौधे हम रोपते हैं। नीमच की प्रतिष्ठित संस्था नगर समस्या सुझाव ग्रुप व केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त तत्ववधान में शहर के समाजसेवी स्वर्गीय जीवनभाई दुआ एवं कृष्णादेवी दुआ की स्मृति में सुवाखेडा फायरिंग रेंज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 501 पौधे पूरे फायरिंग रेंज में रौपे गए। कार्यक्रम में सीआरपीएफ के आईजी संदीप दत्ता, हार्टफुलनेस ग्रुप की प्रशिक्षक श्रीमती रजनी दत्ता, समाजसेवी संतोष चौपडा, सुवाखेडा सरपंच श्रीमती

इंदिरा यादव, समाजसेविका तृप्ति दुआ व ग्रुप एडमिन विवेक खण्डेलवाल मंच पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर समाजसेवी संतोष चौपडा ने कहा एनएसएसजी ग्रुप द्वारा यह अभियान पर्यावरण को जीवित कर रहा है। ग्रुप इसके लिए धन्यवाद का पात्र है। श्रीमती रजनी दत्ता ने कहा नीमच की लाल माटी उर्वरक भूमि है, यह शौर्य की भूमि है, यहां रहना सौभाग्य की बात है। ग्रुप के संयोजक विवेक खंडेलवाल ने कहा कि आज जब पर्यावरण संकट गंभीर होता जा रहा है ऐसे में हम आने वाले कल को हराभरा ओर सुरक्षित बनाने का एक छोटा सा प्रयास ग्रुप के माध्यम से कर रहे है। जिसमे सीआरपीएफ व दुआ परिवार का महत्वपूर्ण योगदान है। आज हम यहां 501 फलदार व छायादार पौधे एक पेड मां के नाम अभियान के तहत लगा रहे है। धार्मिक व औषधीय महत्व को ध्यान रखते हुवे पेडों की पंचवटी भी बना रहे है। इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा वीरता के लिए नीमच सीआरपीएफ के सहायक कमाडेंट राजेश पांचाल को शौर्य चक्र मिलने पर सम्मानित किया गया। उनके वीरता का परिचय श्रीमती रजनी दत्ता ने दिया। इस दौरान उपस्थित समस्त गणमान्यजन व सीआरपीएफ के जवानों को आयोजन मण्डल की प्रमुख तृप्ती दुआ द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। समारोह का संचालन विवेक खण्डेलवाल व आभार संगीता शर्मा ने व्यक्त किया। समारोह में समाजसेवी मनोज दुआ, रवि दुआ, वरूण खंडेलवाल, प्रो. एनके डबकारा, दिनेश मानावत, संजय श्रीवास्तव, वीडी वैष्णव, अशोक पोरवाल, सुनील बंसल, आशा सांभर, रानी राणा, मीना मनावत, शोभा शर्मा, रेखा गोयल, अमन चौहान, रजनी खंडेलवाल सहित कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

वैष्णव बैरागी समाज ने किया मां आंतरी का पूजन

मनासा, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। वैष्णव बैरागी समाज (भादवामाता धर्मशाला निर्माण समिति) व युवा संगठन जिला नीमच का जिला स्तरीय आयोजन 29 जून को सेन गेस्ट हाउस आंतरी माता में सम्पन्न हुआ। रविवार को 12 बजे नीमच जिले के सेंकडो वैष्णव बैरागी समाज जन सेन गेस्ट हाउस पर उपस्थित हुए। जंहा वैष्णव बैरागी समाज जिला नीमच के जिलाध्यक्ष भैरुदास बैरागी धामनिया व युवा जिलाध्यक्ष गगन बैरागी व जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी व समाज जन डोल के साथ पैदल पैदल मां आंत्री के दरबार मे जयकारा लगाते हुए पहुंचे, माँ आंतरी के दर्शन कर, पूजन अर्चन किया। वंही कार्यक्रम स्थल पर गुरुदेव श्री रामानंदाचार्य जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। भादवामाता माता में निर्माणाधीन धर्मशाला को लेकर आगामी योजना बनी व लगभग 7 समाजबंधु नए ट्रस्टी बने। लगभग 3 घण्टे तक वैष्णव बैरागी समाज की महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें लगभग सभी उपस्थित जन ने अपने विचार मीटिंग में सांझा किये व समाज उत्थान व धर्मशाला निर्माण हेतु प्रगति हेतु बात रखी। आगामी जुलाई माह में रतनगढ व सिंगोली क्षेत्र के लिए श्री सुला बावजी मन्दिर परिसर में जिला स्तरीय व रतनगढ व सिंगोली क्षेत्र स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिला स्तरीय बैठक में रतलाम, जावरा, दलौदा मन्दसौर क्षेत्र के ट्रस्टी व नीमच जिले के वैष्णव जन मौजूद थे। कार्यक्रम पश्चात सहभोज सम्पन्न हुआ।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। रविवार को रेवास देवडा रोड स्थित देवडूंगरी माताजी मंदिर परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। भाजपा भाजपा पिछडा मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजपा कार्यालय मंत्री अंकित सोनी, धुंधडका मंडल के पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन शर्मा, भाजपा जिला कर समिति सदस्य जगदीश बैरागी, मंदसौर उत्तर मंडल उपाध्यक्ष निशांत बग्गा, जन संस्कृतिक विकास समिति के अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि बंशी राठौर, महेश लक्ष्यकार, सरपंच दिनेश जाट, बद्रीलाल जाट, नॉन गवर्मेंट आर्गेनाइजेशन रूरल पब्लिक सर्विसेस के डासयरेक्टर राधेश्याम मारू, नरेन्द्र मालवीय सहित वन मंडल के अधिकारीक र्कमचारी मौजूद थे। पौधरोपण के अवसर पर विगत लंबे समय से कई स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों ने पौधरोपण किया। इस वर्ष पौधरापण का कार्य 29 जुन से प्रत्येक रविवार को किया जा रहा है।

थड़ोद में आयुष चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आयुष अधिकारी डॉ . आशीष कुमार बोरना के निर्देशन में शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर थडोद द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमवात संधिवात चर्मरोग उदर रोग विवन्ध श्वास कास, प्रतिशय, रक्ताल्पता, अर्श, अम्लपित्त, मधुमेह, उच्च रक्तचाप 83 रोगियों की जांच कर आवश्यक परामर्श के साथ निशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में उच्च रक्तचाप शुगर एवं रक्ताल्पता की जांच निशुल्क की गई। शिविर में वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी विमारियों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित क़षको को औषधीय पौधों की खेती के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में डॉ .आर.पी.वर्मा श्रीमती संजू कुमारी एवं श्री गोविन्द दास ने सेवाएं दी।

प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, आज शिविरों में विभिन्न गतिविधियां होगी

नीमच, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत जिले में चिन्हित जनजातीय बाहुल्य ग्रामों तथा दुरस्थ बस्तीयों में आयोजित किए जाने वाले शिविरों के चयनित 17 ग्रामों में 30 जून 2025 को सोहलवें दिवस में आयोजित होने वाले शिविर में पूर्व दिनांक 15 से 29 जून तक विभिन्न विभागो द्वारा किए गये कार्यो से हितग्राहीयों को लाभान्वित की जानकारी प्रदान करना एवं स्वी. आदेश वितरण करना आदि। दिनांक 29 जून 2025 को जिले के चयनित 17 ग्रामों में आयोजित शिविरों में 263 ग्रामीणजन उपस्थित हुए जिनमें से पूर्व में छुटे हूऐ लोगों के लिए पुन: स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सिकल सेल टेस्ट, आयुष्मान कार्ड, कुपोषण का चिन्हांकन करने हेतु कुल 227 हितग्राहियों के आवेदन पत्र प्राप्त हुऐ जिनका निराकरण किया जावेगा।

गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 जनवरी को नेतावली में

जिला गुर्जर समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की बैठक बंजारी बालाजी में संपन्न

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला गुर्जर समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन की बैठक बंजारी बालाजी में संपन्न हुई जिसमें वरिष्ठजन सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बैठक की शुरूआत वरिष्ठजन एवं उपस्थित सभी युवा साथियों द्वारा भगवान देवनारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर भगवान देवनारायण के जयकारे के साथ शुरूआत हुई। समाज के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला गुर्जर समाज अध्यक्ष मोहनसिंह चौहान, सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति अध्यक्ष मोहनलाल गुर्जर, छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष जगदीश गुर्जर, महेंद्र सिंह गुर्जर, फकीरचंद गुर्जर, मनु देव आर्य, पूर्व सरपंच देवीलाल गुर्जर, पूर्व सरपंच उदयलाल गुर्जर, बसंतीलाल गुर्जर, पूर्व सरपंच नोंदराम गुर्जर, बालाराम गुर्जर सहित बडी संख्या में समाज जन ने उपस्थित होकर यह निर्णय लिया गया है कि तारीख 23 जनवरी 2026 पंचमी पर गांव नेतावली में गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन होगा। साथ ही समाज के अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा समाज के वरिष्ठएवं समाजजन द्वारा की गई जिसमें शिक्षा, व्यवसाय, सामाजिक समरसता, छात्रावास निर्माण कार्य के निरंतरता जैसे विषय रहे।

संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा तथा जिला पेंशन अधिकारी पद से पंवार 38 वर्षों की सेवा पूर्ण कर आज होंगे सेवानिवृत्त

मंदसौर, 29 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के वरिष्ठशासकीय अधिकारी एवं वर्तमान में संयुक्त संचालक, कोष एवं लेखा (वित्त विभाग) तथा जिला पेंशन अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री सुरेशचन्द्र लक्ष्मीनारायणजी पंवार 30 जून 2025 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर 30 जून को एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें उनके दीर्घ सेवाकाल की उपलब्धियों को सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा।

श्री पंवार का जन्म 1 जुलाई 1963 को मंदसौर में स्व. श्री लक्ष्मीनारायणजी पंवार एवं श्रीमती कमला देवी पंवार के सु-संस्कारित परिवार में हुआ। बचपन से ही संयमित, अध्ययनशील और सेवा-भावना से प्रेरित रहे श्री पंवार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मंदसौर से ही प्राप्त की। उन्होंने अपने माता-पिता के संस्कारों और प्रेरणा से न केवल प्रशासनिक क्षेत्र में सफलता अर्जित की, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों को भी पूरी गरिमा से जिया। श्री पंवार ने 18 अगस्त 1980 को सहायक ग्रेड-3 के रूप में जिला कोषालय, मंदसौर से शासकीय सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने लगभग चार दशक तक मंदसौर, नीमच, जावरा और अन्य स्थानों पर विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उत्कृष्ट सेवाएं दीं। वे सहायक कोषालय अधिकारी, उपकोषालय अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण अधिकारी, लेखा अधिकारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, जिला पेंशन अधिकारी जैसे पदों पर कार्य करते हुए 1 जनवरी 2025 को संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा के पद पर पदोन्नत हुए। शासकीय सेवा के साथ-साथ वे विभिन्न कर्मचारी संगठनों में भी सक्रिय रहे—म.प्र. अजाक्स के तहसील अध्यक्ष, लिपिक संघ एवं राजपत्रित संघ के जिला अध्यक्ष, तथा संयुक्त मोर्चा के समन्वयक जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। उनके नेतृत्व और सहृदय व्यवहार के कारण वे प्रशासन और कर्मचारियों के बीच एक सेतु बनकर उभरे। मानसिक रूप से विशेष कर्मचारियों के कल्याण हेतु उनके द्वारा किए गए प्रयासों की राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा सार्वजनिक रूप से सराहना की गई। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चंदा पंवार, एक कुशल गृहिणी होने के साथ-साथ सहायक अध्यापिका के रूप में शिक्षा क्षेत्र में योगदान दे रही हैं। उनकी सुपुत्री डॉ. शिल्पा पंवार चिकित्सा क्षेत्र में तथा सुपुत्र श्री रुपेश पंवार पुलिस विभाग में सेवा दे रहे हैं, जो पारिवारिक मूल्यों और सेवा-परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आज 30 जून को सोमवार को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में उनके सहयोगी अधिकारी, कर्मचारी, संगठन प्रतिनिधि और परिवारजन उनके सेवाकाल की स्मृतियों को साझा करेंगे तथा उनके भावी जीवन के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त करेंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 B.N.S.S.)

मेरे समक्ष आवेदन किया गया है कि 01. नरसिंह पिता भगतराम मीणा निवासी बरखेड़ा उदा, 02. मांगीलाल पिता बालाराम मीणा निवासी बरखेड़ा उदा, 03. अरविन्द पिता भवानीशंकर मीणा, निवासी बरखेड़ा उदा, 04. भारतसिंह पिता कालूसिंह सौ. राज. निवासी हामली, 05. सुनील पिता राजेन्द्र उर्फ राजू मीणा निवासी बरखेड़ा उदा ने धारा 109, 191 (2), 191 (3), 190, 132, 121 (1), 121 (2) 296 बीएनएस के अधीन दण्डनीय थाना शामगढ़ के अपराध क्रमांक 315/24 का किया है, और उस पर जारी किए गए स्थाई गिरफ्तारी वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त नाम 01. नरसिंह पिता भगतराम मीणा निवासी बरखेड़ा उदा, 02. मांगीलाल पिता बालाराम मीणा निवासी बरखेड़ा उदा, 03. अरविन्द पिता भवानीशंकर मीणा, निवासी बरखेड़ा उदा, 04. भारतसिंह पिता कालूसिंह सौ. राज. निवासी हामली, 05. सुनील पिता राजेन्द्र उर्फ राजू मीणा निवासी बरखेड़ा उदा, तहसील शामगढ़, जिला मंदसौर फरार हो गए है। उक्त वारंट की तामिल से बचने के लिए आरोपीगण अपने आपको छिपा रहे है।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि इस मामले के आरोपीगण से अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायालय विशेष न्यायाधीश, अ.जा./अ.ज.जा. (अ.नि.) अधि., 1989 जिला मंदसौर में तारीख 22.07.2025 को 11.00 बजे हाजिर हो।

दिनांक-20.06.2025

अजयकुमार सिंह
विशेष न्यायाधीश, अजा/अजजा एक्ट, मंदसौर (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in